POLSTRAT x TEAM CVOTER we read the pulse of the nation

COVID-19 पोल

69.5% भारतीय कोरोनावायरस के प्रकोप के कारण नौकरी खोने की चिंता व्यक्त की है

कोरोनवायरस के बीच देश भर में भारतीयों की आर्थिक भलाई के बारे में जानने के लिए **टीम C-voter** ने 8-12 मई 2020 के दौरान एक सर्वेक्षण किया। इन उत्तरदाताओं से राष्ट्रव्यापी कोरोनावायरस लॉकडाउन के उनके कार्य-गृह जीवन, कामकाजी स्वरूप, आय, नौकरी की सुरक्षा और भविष्य के बारे में आशावाद के प्रभाव के बारे में पूछा गया था।

आज की इन्फोग्राफिक में **टीम पोलस्ट्रैट** ने भारतीयों में उनकी नौकरियों और समग्र अर्थव्यवस्था पर कोरोनावायरस संकट के प्रभाव के डर का विश्लेषण किया है।

Q आप कितने चिंतित हैं कि आप या आपके घर का कोई व्यक्ति जो वर्तमान में कार्यरत है, कोरोनावायरस के प्रकोप के कारण अपनी नौकरी खो देगा?

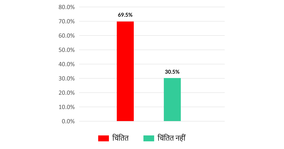

नोट: कुल जनसंख्या में से, यह प्रश्न 75.2% परिवारों पर लागू था।

Q क्या आप बहुत आशान्वित हैं, कुछ आशान्वित हैं, बहुत आशान्वित नहीं हैं, या बिल्कुल भी आशान्वित नहीं हैं कि आप और आपका परिवार प्रकोप समाप्त होने के बाद अपने जीवन को सामान्य रूप से प्राप्त कर पाएंगे?

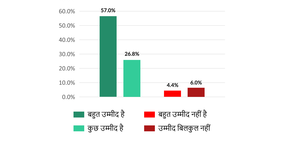

कुल मिलाकर, हम देखते हैं कि **69.5% परिवारों को अपनी नौकरी खोने के बारे में चिंता है, 57% अभी भी बहुत आशान्वित हैं** कि कोरोनावायरस का प्रकोप **खत्म होने के बाद चीजें वापस सामान्य हो जाएंगी।**

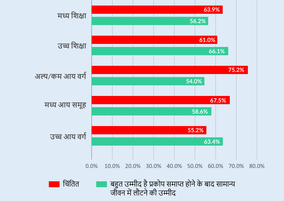

जनसांख्यिकी विखंडन: शिक्षा और आय समूह

कम आय (75.2%) और शिक्षा (73.7%) समूहों में उत्तरदाता अपनी **नौकरी खोने के बारे में सबसे अधिक चिंतित हैं।**
हालाँकि, ये **समूह अभी भी उन चीजों के बारे में बहुत आशावादी हैं,** जिनका प्रकोप खत्म होने के बाद **"सामान्य होने के बाद" कम शिक्षा समूहों में 55.4% और अल्प-आय वाले समूहों में 54% समान बताते हैं।**

इस बीच, **उच्च शिक्षा (61%) और आय समूहों (55.2%)** में से अधिकांश **अभी भी अपनी नौकरी खोने के बारे में चिंतित हैं,** हालांकि, यह प्रतिशत **मध्यम और अल्प समूहों की तुलना में बहुत कम है।**

उच्च शिक्षा और आय समूह के उत्तरदाता भी उन समूहों में क्रमशः **66.1% और 63.4% उत्तरदाताओं के साथ सबसे अधिक आशावादी** हैं, वे बताते हैं कि **उन्हें उम्मीद है कि प्रकोप समाप्त होने के बाद चीजें वापस सामान्य हो जाएंगी।**

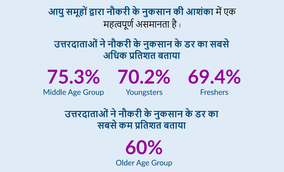

किस आयु वर्ग को अपनी नौकरी खोने की चिंता है?

आयु समूहों द्वारा नौकरी के नुकसान की आशंका में एक महत्वपूर्ण असमानता है।

उत्तरदाताओं ने नौकरी के नुकसान के डर का सबसे अधिक प्रतिशत बताया

75.3% Middle Age Group

70.2% Youngsters

69.4% Freshers

उत्तरदाताओं ने नौकरी के नुकसान के डर का सबसे कम प्रतिशत बताया

60% Older Age Group

यह भी ध्यान दिया जाना चाहिए कि ये आंकड़े उन **आयु समूहों** के लिए वास्तविक **नौकरी के नुकसान की रिपोर्ट के समान हैं,** जिनमें **मध्यम आयु वर्ग (45-60) नौकरी के नुकसान का उच्चतम प्रतिशत और वृद्धावस्था आयु वर्ग सबसे कम रिपोर्ट करते हैं।**

क्या शहरी भारत ग्रामीण भारत की तुलना में भविष्य के बारे में अधिक आशावादी है?

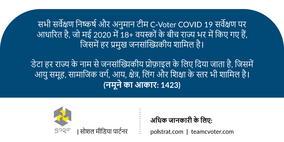

ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले उत्तरदाताओं ने **58.6% के साथ आशावाद की उच्चतम दर बताई,** जिसमें कहा गया कि वे बहुत **आशान्वित हैं कि प्रकोप के बाद चीजें वापस सामान्य हो जाएंगी। शहरी क्षेत्रों** में रहने वालों ने केवल **48.3% उत्तरदाताओं के साथ आशावाद** के **निम्नतम स्तर की सूचना दी,** जिसमें कहा गया था कि **उन्हें बहुत उम्मीद है कि चीजें सामान्य हो जाएंगी।**

सभी सर्वेक्षण निष्कर्ष और अनुमान टीम C-Voter COVID 19 सर्वेक्षण पर आधारित है, जो मई 2020 में 18+ वयस्कों के बीच राज्य भर में किए गए हैं, जिसमें हर प्रमुख जनसांख्यिकीय शामिल है।

डेटा हर राज्य के नाम से जनसांख्यिकीय प्रोफ़ाइल के लिए दिया जाता है, जिसमें आयु समूह, सामाजिक वर्ग, आय, क्षेत्र, लिंग और शिक्षा के स्तर भी शामिल है।
(नमूने का आकार: 1423)

| सोशल मीडिया पार्टनर

अधिक जानकारी के लिए:
polstrat.com | teamcvoter.com